राजनीति शास्त्र

भारत और विश्व

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ के नाम	पृष्ठ क्रमांक
१.	विश्वयुद्धोत्तर राजनीतिक गतिविधियाँ	५७
२.	भारत की विदेश नीति की विकास यात्रा	६५
३.	भारत की सुरक्षा व्यवस्था	७२
४.	संयुक्त राष्ट्र	७७
५.	भारत तथा अन्य देश	८४
६.	अंतरराष्ट्रीय समस्या	९१

आठवीं कक्षा तक नागरिक शास्त्र के रूप में पढ़ाया जाने वाला विषय नौवीं कक्षा से राजनीति शीर्षक से हम पढ़ेंगे। नागरिक शास्त्र की तरह राजनीति में भी हम अपने राजनीतिक जीवन का अध्ययन करेंगे। यह अध्ययन अब अधिक व्यापक और गहरा होगा। राजनीतिक जीवन में जिस प्रकार स्थानीय शासन, संविधान, संविधान के मौलिक अधिकार और नीति निदेशक सिद्धांतों आदि का समावेश होता है, उसी प्रकार देश की शासन व्यवस्था, राज्य प्रशासन, नीति निर्धारण, लोकतंत्र, विविध आंदोलनों का समावेश होता है। सरकार के निर्णय, सरकार की नीतियाँ, सरकार द्वारा किया जाने वाला सत्ता का उपयोग इन सबका सामान्य व्यक्ति के जीवन पर प्रभाव पड़ता रहता है। राजनीति शास्त्र इन सभी मुद्दों का वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति से अध्ययन करता है। राजनीति शास्त्र के अध्ययन द्वारा आपको राजनीतिक गतिविधियाँ, राजनीतिक विचारधाराएँ और राजनीतिक प्रक्रिया का आकलन अधिक अच्छी तरह से होगा। इस आकलन का लाभ किसी भी क्षेत्र में काम करने और प्रावीण्य प्राप्त करने में होगा।

क्षमता विधान

अ.क्र.	घटक	क्षमता
१.	१९४५ से विश्व – महत्त्वपूर्ण विचारधाराएँ	* शस्त्र स्पर्धा के कारण अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा निर्माण होता है; इसका बोध होना। * शीतयुद्धोत्तर समय के वैश्विक गतिविधियों का विश्लेषण करना। * वैश्वीकरण को भारत द्वारा दिए गए प्रतिसाद की जानकारी प्राप्त करना। * वैश्वीकरण के संदर्भ में विविध देशों की परस्परावलंबिता को समझकर उस संबंध में चर्चा करना।
२.	भारत की विदेश नीति की विकास यात्रा	* विदेश नीति का अर्थ बताना। * विदेश नीति के उद्देश्यों के संबंध में आदरभाव रखना । * विविध घटनाओं की सहायता से स्वतंत्र भारत की विदेश नीति स्पष्ट करना। * भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को प्रधानता देता है, यह जानकारी विकसित करना।
३.	भारत की सुरक्षा व्यवस्था	* भारत की संरक्षण प्रणाली का स्वरूप समझना। * सैन्य तथा अर्ध सैन्य बलों के कार्यों का वर्गीकरण करना। * मानवी सुरक्षा की अवधारणा स्पष्ट करना। * आंतरिक सुरक्षा के संबंध में आने वाली चुनौतियों की समझ होना। * एकाध चुनौती का अध्ययन कर उसकी शोध पत्रिका तैयार करना।
४.	संयुक्त राष्ट्र	* संयुक्त राष्ट्र एक महत्त्वपूर्ण वैश्विक संगठन है, यह बताना। * संयुक्त राष्ट्र शांति की रक्षा करता है, इसे विशद करना। * सभी राष्ट्रों के विकास हेतु शांति आवश्यक है, इसका बोध विकसित करना। * संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में परिवर्तन होने की आवश्यकता स्पष्ट करना।
५.	भारत और अन्य देश	* भारत के भौगोलिक स्थान तथा उससे भारत के अंतर्गत तथा विदेश नीति पर होने वाला परिणाम स्पष्ट करना। * पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध हो, यह विचार दृढ़ होना। * प्रादेशिक सहयोग हेतु अस्तित्व में होने वाले संगठनों के संबंध में कारण मीमांसा करना। * भारत तथा अन्य देशों के अर्थिक एवं व्यापारिक संबंधों में होने वाले परिवर्तनों की समीक्षा करना।
६.	अंतरराष्ट्रीय समस्या	* विश्व के प्रत्येक व्यक्ति को मानवाधिकार प्राप्त होते हैं, यह विचार विकसित करना। * भारतीय संविधान तथा कानून द्वारा मानवाधिकार का संरक्षण कैसे होता है; यह जानना। * पर्यावरण ह्रास यह एक वैश्विक समस्या है; यह बोध विकसित करना। * शरणार्थी कौन है? यह स्पष्ट करना।